shrIsubrahmaNyAkSharamAlikAstotram

श्रीसुब्रह्मण्याक्षरमालिकास्तोत्रम्

Document Information

Text title : subrahmaNyAkSharamAlikAstotram

File name : subrahmaNyAkSharamAlikAstotram.itx

Category : subrahmanya

Location : doc_subrahmanya

Author : Nilakantha

Transliterated by : Sivakumar Thyagarajan Iyer

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan Iyer, PSA Easwaran

Latest update : April 4, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

June 29, 2023

sanskritdocuments.org

shrIsubrahmaNyAkSharamAlikAstotram

श्रीसुब्रह्मण्याक्षरमालिकास्तोत्रम्

ॐ श्रीगणेशाय नमः

शरवणभव गुह शरवणभव गुह
शरवणभव गुह पाहि गुरो गुह ॥

अखिलजगज्जनिपालननिलयन
कारण सत्सुखचिद्घन भो गुह (शर) ॥ १॥

आगमनिगदितमङ्गळगुणगण
आदिपुरुषपुरुहूत सुपूजित (शर) ॥ २॥

इभवदनानुज शुभसमुदययुत
विभवकरम्बित विभुपदजृम्भित (शर) ॥ ३॥

भीतिभयापह नीतिनयावह
गीतिकलाखिलरीतिविशारद (शर) ॥ ४॥

उपपतिरिव कृतवल्लीसङ्गम -
कुपित वनेचरपतिहृदयङ्गम (शर) ॥ ५॥

ऊर्जितशासनमार्जितभूषण
स्फूर्जथुघोषण धूर्जटितोषण (शर) ॥ ६॥

ऋषिगणविगणितचरणकमलयुत
ऋजुसरणिचरित महदवनमहित (शर) ॥ ७॥

ॠकाराक्षररूप पुरातन
राकाचन्द्रनिकाश षडानन (शर) ॥ ८॥

ऌकाररूपोपकारसुनिरत
विकाररहितापकारसुविरत (शर) ॥ ९॥

ॡकाराकृति शोकापोहन

केकारवयुत केकिविनोदन (शर) ॥ १०॥

एडकवाहन मूढविमोहन
ऊढसमभुवन सोढसदुकरण (शर) ॥ ११॥

ऐलबिलादिदिगीशबलावृत
कैलासाचलल्लीलालालस (शर) ॥ १२॥

ओजोरेजित तेजोराजित
आजिविराजदरात्यपराजित (शर) ॥ १३॥

औपनिषदपरमात्मपदोदित
औपाधिकविग्रहतामुपगत (शर) ॥ १४॥

अंहोनाशन रंहोगाहन
ब्रह्मोद्बोधन सिंहोन्मेषण (शर) ॥ १५॥

अस्तविशस्तसमस्तमहासुर
हस्तसततधृतशक्तिभृतामर (शर) ॥ १६॥

करुणाविग्रह कलितानुग्रह
कटुमतिदुर्ग्रह पटुयतिसुग्रह (शर) ॥ १७॥

खण्डितचण्डमहासुरमण्डल-
मण्डितनिबिडश्यामळकुन्तल (शर) ॥ १८॥

गङ्गासम्भव गिरिशतनूभव
रङ्गपुरोभव तुङ्गकुचाधव (शर) ॥ १९॥

घनवाहनमुख सुरवरवन्दित
घननादोदित शिखिनटनन्दित (शर) ॥ २०॥

ङवमानधनुमौर्वीरवरत
पवमानधृतव्यजनकृतिमुदित (शर) ॥ २१॥

चरणायुध धर करणा वृतिहर
तरुणा कृतिवर करुणासागर (शर) ॥ २२॥

छेदित तारक भेदित पातक
खेदित घातक वाञ्छित दायक (शर) ॥ २३॥

जलजनिभनयन खलमनुज मथन
बलिदनुजमदन कलिकलुषशमन (शर) ॥ २४॥

झषकेतनसम वृषकेतनरम
मिषचेतनयम वृषकारिसुगम (शर) ॥ २५॥

ज्ञातागमचय धूताघनिचय
वीतषडरिरय गीतगुणोदय (शर) ॥ २६॥

टङ्कारागत कङ्कात्ताहित
झङ्काराढ्यालङ्कारावृत (शर) ॥ २७॥

ठाकृतिराजित हाटककुण्डल
स्वाकृतिरेजित घोटकमण्डल (शर) ॥ २८॥

डिम्भाकृतियुत रम्भानटरत
जम्भारिविनुत कुम्भोद्भवनुत (शर) ॥ २९॥

ढक्कारवकृत धिक्काराहित
दिक्कालामित हिक्कादिरहित (शर) ॥ ३०॥

णकारतरुसुम निकाररतिदम
णकारयुतमनुजपविहितागम (शर) ॥ ३१॥

तापत्रयहर कालत्रयचर
लोकत्रयधर वर्गत्रयकर (शर) ॥ ३२॥

स्थिरपददायक सुरवरनायक
निरसितसायक निरुपमगायक (शर) ॥ ३३॥

दान्तदयापर कान्तकळेबर
भ्रान्तं मां तर शान्तहृदयवर (शर) ॥ ३४॥

धीरोदात्त गुणोत्तरजित्वर ॥

धीरोपासित वित्तमहत्तर (शर) ॥ ३५॥

नववीराहित सवयोविहसित
भवरोगावृतमनुजजिहासित (शर) ॥ ३६॥

पुष्करमालावासितविग्रह

पुण्यपरायण विहितपरिग्रह (शर) ॥ ३७॥

फाललसन्मृगमदतिलकोज्ज्वल
कलिमलतूल सुवातूलातुल (शर) ॥ ३८॥

बन्दीकृतसुरवृन्दानन्दन
वन्दारु मनुज मन्दारद्रुम (शर)॥ ३९॥

भवतागमितः कारागारं
प्रणवाविदितश्चतुरास्योरम् (शर) ॥ ४०॥

महनीयमहावाक्योद्घोषित
कमनीयमहामकुटोद्भूषित (शर) ॥ ४१॥

योगिहृदय सरसीरुहभास्वर
योगाधीश्वर भोगविकस्वर (शर) ॥ ४२॥

रक्षोशिक्षणकृत्यविचक्षण
रक्षणक्षकटाक्षनिरीक्षण (शर) ॥ ४३॥

लोलदुकूलाञ्चलपादाञ्चल
बालकुतूहल लीलापेशल (शर) ॥ ४४॥

वलवैरिसुताचरितापहसित
लवलीतिमता भवतो वनिता (शर) ॥ ४५॥

शूलायुधधर कालायुतहर
मालायुतभर हेलायुतकर (शर) ॥ ४६॥

षट्कोणस्थित षड्द्वारकसुत
षड्भावरहित षडूर्मिघातक (शर) ॥ ४७॥

सुब्रह्मण्योमिति निगमान्तो
वदति भवन्तं प्रणवपदार्थम् (शर) ॥ ४८॥

हारावळियुतकाराहृतसुर
धारारतहयनियुत नियुतरथ (शर) ॥ ४९॥

ळळितकरकमल लुळितवरवलय
दळितासुरचय मिळितामरचय (शर) ॥ ५०॥

क्षणभङ्गुरजगदुपपादनचण
वेदविनिश्चित तत्त्वजनावन (शर) ॥ ५१॥

नीलकण्ठकृतवर्णमालिका
प्रीतये भवतु पार्वतीभुवः ॥

इति नीलकण्ठकृता श्रीसुब्रह्मण्याक्षरमालिका समाप्ता ॥

Encoded by Sivakumar Thyagarajan

Proofread by Sivakumar Thyagarajan, PSA Easwaran

shrIsubrahmaNyAkSharamAlikAstotram

pdf was typeset on June 29, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*